

बीपीसीएल ने रिफाइनिंग, पेट्रोकेमिकल्स और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में विकास को गति देने के लिए ऑयल इंडिया, एनआरएल और फैक्ट के साथ रणनीतिक गठबंधन किया

- बीपीसीएल और ऑयल इंडिया ने दक्षिण भारत की पहली एकीकृत रामायपट्टनम ग्रीनफील्ड रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल के निर्माण हेतु 1 लाख करोड़ रुपये के गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

- बीपीसीएल, ऑयल इंडिया और एनआरएल ने एनआरएल रिफाइनरी विस्तार के बाद ₹3,500 करोड़ की क्रॉस-कंट्री उत्पाद निकासी पाइपलाइन के लिए हाथ मिलाया

- बीपीसीएल और फैक्ट ने कोच्चि स्थित एमएसडब्ल्यू-आधारित संपीड़ित बायोगैस संयंत्र से जैविक उर्वरकों के व्यापार के लिए साझेदारी की

हैदराबाद, 28 अक्टूबर, 2025: हैदराबाद में आयोजित 28वें ऊर्जा प्रौद्योगिकी सम्मेलन 2025 में, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल-ऑयल), नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) और उर्वरक एवं रसायन के साथ तीन ऐतिहासिक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। त्रावणकोर लिमिटेड (फैक्ट-FACT) के साथ, और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (MoPNG) के सचिव श्री पंकज जैन की गरिमामयी उपस्थिति में यह साझेदारी की गई। ये साझेदारियाँ बीपीसीएल की एकीकृत विकास रणनीति—जिसमें रिफाइनिंग, पेट्रोकेमिकल्स, हरित ऊर्जा और लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं—में महत्वपूर्ण मील के पत्थर हैं और भारत के लिए एक स्थायी और आत्मनिर्भर ऊर्जा भविष्य के निर्माण के प्रति इसकी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती हैं।

बीपीसीएल और ऑयल इंडिया लिमिटेड ने आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में रामायपट्टनम बंदरगाह के पास बीपीसीएल की आगामी ग्रीनफील्ड रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स के विकास में सहयोग की संभावनाओं की तलाश के लिए एक गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

9-12 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) की रिफाइनिंग क्षमता और 1 लाख करोड़ रुपये (11 बिलियन अमेरिकी डॉलर) के अनुमानित निवेश के साथ प्रस्तावित यह सुविधा भारत के डाउनस्ट्रीम विस्तार की आधारशिला होगी।

समझौते के तहत, दोनों कंपनियाँ सहयोग के अवसरों का मूल्यांकन करेंगी, जिसमें प्रस्तावित संयुक्त उद्यम में ऑयल इंडिया द्वारा अल्पमत इक्विटी हिस्सेदारी लेने की संभावना भी शामिल है। इस परियोजना को आंध्र प्रदेश सरकार से प्रमुख वैधानिक मंजूरियाँ और 6,000 एकड़ ज़मीन पहले ही मिल चुकी है, और परियोजना-पूर्व गतिविधियाँ प्रगति पर हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए, बीपीसीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के अतिरिक्त प्रभार के साथ निदेशक (रिफाइनरीज) श्री संजय खन्ना ने कहा, "यह सहयोग दक्षिण भारत में विश्व स्तरीय रिफाइनिंग और पेट्रोकेमिकल बुनियादी ढांचे के निर्माण की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। ओआईएल के साथ हाथ मिलाकर, हम रणनीतिक पैमाने और स्थिरता की एक परियोजना बनाने के लिए पूरक शक्तियों का संयोजन कर रहे हैं। रामायपटनम कॉम्प्लेक्स न केवल बीपीसीएल के पोर्टफोलियो को नया आकार देगा, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप, ईंधन और पेट्रोकेमिकल्स में सोपिंग इंडिया की आत्मनिर्भरता को भी मजबूत करेगा।

ऑयल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ. रंजीत रथ ने कहा, "यह सहयोग मिडस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम में विभिन्न रणनीतिक विविधीकरण पहलों को आगे बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। बीपीसीएल के साथ साझेदारी करके, ऑयल इंडिया और एनआरएल मूल्य सृजन को गति देने और देश की ऊर्जा सुरक्षा एवं वितरण अवसंरचना में योगदान देने के लिए अपनी सामूहिक शक्तियों का लाभ उठाने के लिए तत्पर हैं।

साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य दीर्घकालिक मूल्य सृजन, ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाना और भारत के विस्तारित रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल पारिस्थितिकी तंत्र में भागीदारी करना है। यह सहयोग ऑयल इंडिया के एकीकृत ऊर्जा उपक्रमों में विविधता लाने के रणनीतिक इरादे को भी दर्शाता है जो सतत राष्ट्रीय विकास का समर्थन करते हैं।

रामायपटनम परिसर में 1.5 एमएमटीपीए क्षमता वाली एथिलीन क्रैकर इकाई होगी, जो दक्षिण भारत में अपनी तरह की पहली इकाई होगी, जिसकी पेट्रोकेमिकल तीव्रता 35% होगी - जो देश में सबसे अधिक है। आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा समर्थित, इस परियोजना का वाणिज्यिक संचालन वित्त वर्ष 2030 तक शुरू होने की उम्मीद है, जिससे औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

एक अन्य प्रमुख घटनाक्रम में, बीपीसीएल, ओआईएल-ऑयल और नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) ने एनआरएल के 3 एमएमटीपीए से 9 एमएमटीपीए तक विस्तार के बाद पेट्रोलियम उत्पादों की कुशल निकासी की सुविधा के लिए एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इस समझौते में सिलीगुड़ी से मुज़फ़्फ़रपुर होते हुए मुगलसराय तक 700 किलोमीटर लंबी क्रॉस-कंट्री उत्पाद पाइपलाइन का संयुक्त निर्माण शामिल है, जिस पर अनुमानित 3,500 करोड़ रुपये का निवेश होगा। मोटर स्पिरिट (एमएस), हाई-स्पीड डीज़ल (एचएसडी) और एविएशन टर्बाइन पथूल (एटीएफ) के परिवहन के लिए डिज़ाइन की गई इस पाइपलाइन का संयुक्त स्वामित्व बीपीसीएल (50%) के पास होगा, जबकि ओआईएल और एनआरएल शेष 50% हिस्सेदारी साझा करेंगे।

मज़बूत डाउनस्ट्रीम लॉजिस्टिक्स सुनिश्चित करने के लिए, साझेदार मुगलसराय और मुज़फ़्फ़रपुर में बीपीसीएल के डिपो का विस्तार करेंगे और सिंगरौली (मध्य प्रदेश), कोरबा (छत्तीसगढ़), खगड़िया (बिहार) और टाटानगर (झारखंड) में नई सुविधाएँ विकसित करेंगे।

समझौता ज्ञापन पर श्री पंकज जैन, सचिव, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय; श्री संजय खन्ना, निदेशक (रिफाइनरीज) एवं अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार), बीपीसीएल; डॉ. रंजीत रथ, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ऑयल इंडिया तथा अध्यक्ष, एनआरएल; और श्री भास्कर ज्योति फूकन, प्रबंध निदेशक, एनआरएल की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

अपनी हरित ऊर्जा और अपशिष्ट से ऊर्जा पहलों को आगे बढ़ाते हुए, बीपीसीएल ने कोच्चि रिफाइनरी के पास ब्रह्मपुरम में बीपीसीएल के आगामी नगरपालिका ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू)-आधारित संपीड़ित ब्लागस (सीबीजी) संयंत्र से उत्पादित किण्वित जैविक खाद (एफओएम) और तरल किण्वित जैविक खाद (एलएफओएम) की आपूर्ति और व्यापार के लिए फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स ब्रावणकोर लिमिटेड (एफएसीटी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह संयंत्र प्रतिदिन 150 मीट्रिक टन नगरपालिका अपशिष्ट का प्रसंस्करण करेगा, जिससे 5.6 मीट्रिक टन सीबीजी, 28 मीट्रिक टन एफओएम और 100 किलोलीटर एलएफओएम का उत्पादन होगा।

बीपीसीएल के बिजनेस हेड (आई एंड सी) श्री मनोज मेनन और एफएटीसी के निदेशक (वित्त) श्री एस शक्तिमणि के बीच बीपीसीएल के निदेशक (रिफाइनरीज) एवं अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) श्री संजय खन्ना और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) के सचिव श्री पंकज जैन की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया।

यह सहयोग फैक्ट-FACT को उच्च-गुणवत्ता वाले जैविक उर्वरकों का व्यापार करने, टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने और भारत के अपशिष्ट से ऊर्जा और हरित ईंधन के दृष्टिकोण में योगदान करने में सक्षम बनाएगा।

यह सहयोग भारत के अग्रणी ऊर्जा सार्वजनिक उपक्रमों की ऊर्जा अवसंरचना को मजबूत करने, रसद को सुव्यवस्थित करने और पूर्वी तथा उत्तरी क्षेत्रों में विश्वसनीय ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करने की साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

सामूहिक रूप से, ये तीन समझौता ज्ञापन, रिफाइनिंग क्षमता का विस्तार करने, पेट्रोकेमिकल एकीकरण को आगे बढ़ाने, हरित ऊर्जा पहलों में तेजी लाने और मजबूत रसद नेटवर्क बनाने के लिए BPCL के समग्र दृष्टिकोण को उजागर करते हैं।

ये तीनों समझौता ज्ञापन भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के साथ बीपीसीएल के संरेखण को दर्शाते हैं - राष्ट्र के लिए आत्मनिर्भरता, स्थिरता और ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा देना।

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) के बारे में:

फॉर्च्यून ग्लोबल 500 कंपनी, भारत पेट्रोलियम भारत की दूसरी सबसे बड़ी ऑयल मार्केटिंग कंपनी है और एक एकीकृत ऊर्जा कंपनी है, जो कच्चे तेल के शोधन और पेट्रोलियम उत्पादों के विपणन में संलग्न है। कंपनी तेल और गैस उद्योग के अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम दोनों क्षेत्रों में सक्रिय है। भारत पेट्रोलियम को प्रतिष्ठित "महारत्न" का दर्जा प्राप्त है, जिससे इसे अधिक संचालनात्मक और वित्तीय स्वायत्तता प्राप्त होती है।

भारत पेट्रोलियम की रिफाइनरियां - मुंबई, कोच्चि और बीना में स्थित हैं, जिनकी संयुक्त शोधन क्षमता लगभग 35.3 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (MMTPA) है। इसका विपणन ढांचा कई इंस्टॉलेशनों, डिपो, पथूल स्टेशन, एविएशन सर्विस स्टेशन और एलपीजी वितरकों के नेटवर्क से बना है। इसका वितरण नेटवर्क निम्नलिखित शामिल करता है:

23,500+ पथूल स्टेशन, 6,200+ एलपीजी वितरक, 500+ ल्यूब्रिकेंट वितरक, 80 POL भंडारण स्थल, 54 एलपीजी बॉटलिंग प्लांट, 79 एविएशन सर्विस स्टेशन, 5 ल्यूब ब्लेंडिंग प्लांट, और 5 क्रॉस-कंट्री पाइपलाइंस।

भारत पेट्रोलियम अपनी रणनीति, निवेश, पर्यावरणीय और सामाजिक महत्वाकांक्षाओं को एकीकृत कर एक स्थायी भविष्य की ओर बढ़ रहा है। कंपनी ने 6500+ पथूल स्टेशनों पर इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए हैं। टिकाऊ समाधानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, कंपनी 2040 तक नेट जीरो एनर्जी कंपनी (Scope 1 और Scope 2 उत्सर्जन में) बनने के लिए एक रोडमैप और इकोसिस्टम विकसित कर रही है। भारत पेट्रोलियम सामुदायिक भागीदारी के तहत शिक्षा, जल संरक्षण, कौशल विकास, स्वास्थ्य, सामुदायिक विकास, क्षमता निर्माण और कर्मचारियों की स्वयंसेवा जैसी पहलों का समर्थन करता है।

'एनरजाइजिंग लाइव्स' को अपना मुख्य उद्देश्य मानते हुए, भारत पेट्रोलियम की दृष्टि है: प्रतिभा, नवाचार और प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए एक प्रशंसित वैश्विक ऊर्जा कंपनी बनना।

Raman Malik
Head (PR & Brand),
Email: malikr@bharatpetroleum.in
Phone: +91 22 22713340

Priyanka Shinde
M: +91 84335 78070
E: priyanka.shinde@conceptpr.com

Saurabh Jain,
Deputy General Manager (PR & Brand)
Email: jains4512@bharatpetroleum.in
Phone: + 91 9895095210

For further details, please get in touch with;